दैनिक जागरण जनपद बरेली दिनॉक 23.05.2025

पोर्टल के डेटा की पुलिसिंग में उपयोगिता की दी जानकारी

जासं, बरेली : अपर पुलिस महानिदेशक (तकनीकी सेवाएं) नवीन अरोरा और अपर पुलिस महानिदेशक, बरेली जोन रमित शर्मा ने गुरुवार को हाईब्रिड मोड में जोन के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने विभाग द्वारा विकसित किए गए क्राइम एनालिटिक्स पोर्टल, सीसीटीएनएस एंड फील्ड यूनिट पोर्टल, आपरेशन त्रिनेत्र, फूट पेट्रोलिंग, आनलाइन ट्रेनिंग पोर्टल, पब्लिक ग्रेवांस रिव्यू पोर्टल, परेड पोर्टल, इंवेस्टीगेशन और प्रोसीक्यूशन एंड कनविक्शन मानीटरिंग पोर्टल की समीक्षा की। पोर्टल पर फीड करे गये डाटा की पुलिसिंग में उपयोगिता व प्रयोग के विषय में विस्तृत रूप से चर्चा की। मीटिंग के दौरान तीन नए क्रिमिनल ला (बीएनएस, बीएनएसएस और बीएसए), नेशनल आटोमेटेड फिंगरप्रिंट आइडेनटीफिकेशन सिस्टम (एनएएफआइएस), क्रिमिनल प्रोसीजर आइडेनटीफिकेशन एक्ट (सीआरपीआइ) के विषय में भी विस्तृत जानकारी दी गई। समीक्षा बैठक में डीआइजी बरेली व मुरादाबाद रेंज, एसएसपी, एसपी सिटी समेत अन्य अधिकारी आनलाइन जुड़े।

एडीजी (तकनीकी सेवाएं) नवीन अरोरा एवं एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा ने जोन के अधिकारियों के साथ की हाईब्रिड बैठक करते हुए ● सौ. पुलिस

एडीजी तकनीकी सेवाएं व एडीजी जोन ने आनलाइन अधिकारियों संग की बैठक

एडीजी (तकनीकी सेवाएं) नवीन अरोरा एवं एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा ने विधि विज्ञान प्रयोगशाला का भ्रमण किया ● सौ. पुलिस

विधि विज्ञानशाला का किया निरीक्षण

एडीजी (तकनीकी सेवाएं) नवीन अरोरा एवं एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा ने विधि विज्ञान प्रयोगशाला का भ्रमण किया। प्रयोगशाला में प्रचलित निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को देखा। प्रयोगशाला के उपनिदेशक जय प्रकाश गुप्ता, अन्य वैज्ञानिक अधिकारी एवं राजकीय निर्माण विभाग के इकाई प्रभारी सिविल/इलेक्ट्रिक उपस्थित मिले जिन्हें जरूरी दिशा निर्देश दिए।

हिन्दुस्तान जनपद बरेली दिनॉक 23.05.2025

एडीजी टेक्निकल ने बताई उपयोगिता

बरेली, वरिष्ठ संवाददाता। एडीजी टेक्निकल सर्विस नवीन अरोरा एवं एडीजी रमित शर्मा ने जोन कार्यालय में हाईब्रिड मोड में मीटिंग कर पुलिस के विभिन्न पोर्टल की उपयोगिता बताकर उनके कार्यों की समीक्षा की।

जोन कार्यालय में हुई समीक्षा के दौरान पुलिस के इन हाउस विकसित पोर्टल क्राइम एनालिस्टिक, सीसीटीएन एंड फील्ड यूनिट्र ऑपरेशन त्रिनेत्र, फुट पेट्रोलिंग, ऑन लाइन ट्रेनिंग, पब्लिक ग्रीवांस, इंवेस्टिगेशन आदि की समीक्षा की गई। साथ ही इसमें फीड किए गए डाटा की पुलिसिंग में उपयोगिता व प्रयोग के विषय में विस्तृत रूप से चर्चा की गयी। मीटिंग के दौरान तीन नये कानूनों के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान डीआईजी अजय साहनी, एसएसपी अनुराग आर्य, एसपी सिटी मानुष पारीक समेत जिले के अधिकारी एवं जोन के अन्य जिलों के अधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान जुड़े। इसके बाद दोनों एडीजी ने विधि विज्ञान प्रयोगशाला का निरीक्षण व भ्रमण कर प्रयोगशाला में प्रचलित निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उपनिदेशक विधि विज्ञान प्रयोगशाला जय प्रकाश गुप्ता एवं अन्य वैज्ञानिक अधिकारी व राजकीय निर्माण विभाग के इकाई प्रभारी मौजूद रहे।

निरीक्षण करते एडीजी टेक्निकल व एडीजी जोन।

अमर उजाला जनपद बरेली दिनॉक 23.05.2025

तकनीकी रूप से सशक्त पुलिस करेगी अपराध का खात्मा

बरेली। जिले के दो दिवसीय निरीक्षण पर आए एडीजी तकनीकी सेवाएं नवीन अरोड़ा और एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा ने बृहस्पतिवार शाम जोन कार्यालय में हाइब्रिड मोड पर समीक्षा बैठक की। इसमें पुलिस को तकनीकी रूप से सशक्त बनाकर अपराध व अपराधियों के खात्मे की बात कही गई। समीक्षा बैठक के दौरान इन हाउस विकसित विभिन्न तकनीकी पोर्टल की कार्यप्रणाली, उपयोगिता एवं प्रभावशीलता पर चर्चा की गई। क्राइम एनालिटिक्स पोर्टल, सीसीटीएनएस एंड फील्ड यूनिट पोर्टल आपरेशन त्रिनेत्र, फुट पेट्रोलिंग, ऑनलाइन प्रशिक्षण पोर्टल, जन शिकायत पोर्टल, परेड पोर्टल विवेचना एवं अभियोजन मॉनीटरिंग पोर्टल की समीक्षा की गई। बैठक में डीआईजी बरेली रेंज अजय साहनी, एसएसपी अनुराग आर्य, एसपी सिटी मानुष पारीक, एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा आदि अधिकारी मौजूद रहे। मुरादाबाद रेंज के पुलिस अधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये शामिल रहे। ब्यूरो

अमृत विचार जनपद बरेली दिनॉक 23.05.2025

तकनीकी नवाचार में सशक्त हो रही पुलिस

समीक्षा बैठक में मौजूद एडीजी नवीन अरोड़ा और रमित शर्मा।

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- एडीजी तकनीकी सेवाएं नवीन अरोड़ा और एडीजी रमित शर्मा ने की समीक्षा बैठक

अमृत विचार : पुलिस को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से बृहस्पतिवार को एडीजी तकनीकी सेवाएं नवीन अरोड़ा और एडीजी जोन रमित शर्मा ने जोन के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसमें इन-हाउस विकसित विभिन्न तकनीकी पोर्टलों की कार्यप्रणाली, उपयोगिता एवं प्रभावशीलता पर चर्चा की गई।

बैठक के दौरान क्राइम एनालिटिक्स पोर्टल, सीसीटीएनएस एंड फील्ड यूनिट पोर्टल आपरेशन त्रिनेत्र, फुट पेट्रोलिंग, ऑनलाइन प्रशिक्षण पोर्टल, जनशिकायत समीक्षा पोर्टल, परेड पोर्टल विवेचना एवं अभियोजन मॉनीटरिंग पोर्टल की समीक्षा की। इस दौरान तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जानकारी दी गई। राष्ट्रीय स्वचिलित अंगुली छाप पहचान प्रणाली और अपराध प्रक्रिया पहचान अधिनियम के अंतर्गत हो रहे कार्य भी देखे गए। अधिकारियों को इन सभी तकनीकी का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में डीआईजी अजय सहानी, एसएसपी अनुराग आर्य, एसपी सिटी मानुष पारिक, एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा, एसपी अपराध मुकेश कुमार सिंह समेत बरेली और मुरादाबाद जोन के पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

विधि विज्ञान प्रयोगशाला का किया निरीक्षण

समीक्षा बैठक के बाद एडीजी तकनीकी सेवाएं नवीन अरोड़ा और एडीजी जोन रमित शर्मा ने विधि विज्ञान प्रयोगशाला का निरीक्षण कर निर्माणाधीन कार्यों की गुणवत्ता का जायजा लिया। इस अवसर पर उपनिदेशक जय प्रकाश गुप्ता, अन्य वैज्ञानिक अधिकारीगण एवं राजकीय निर्माण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

I-Next जनपद बरेली दिनॉक 23.05.2025

पोर्टल के डेटा की पुलिसिंग के लिए उपयोगिता विषय पर दी जानकारी

एडीजी तकनीकी सेवाएं व एडीजी जोन ने ऑनलाइन अधिकारियों संग की बैठक

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (22 May): अपर पुलिस महानिदेशक (तकनीकी सेवाएं) नवीन अरोरा और अपर पुलिस महानिदेशक, बरेली जोन रमित शर्मा ने गुरुवार को हाईब्रिड मोड में जोन के अधिकारियों के साथ बैठक की. उन्होंने विभाग द्वारा विकसित किए गए क्राइम एनालिटिक्स पोर्टल, सीसीटीएनएस एंड फील्ड यूनिट पोर्टल, आपरेशन त्रिनेत्र, फूट पेट्रोलिंग, आनलाइन ट्रेनिंग पोर्टल, पब्लिक ग्रेवांस रिव्यू पोर्टल, परेड पोर्टल, इंवेस्टीगेशन और प्रोसीक्यूशन एंड कनविक्शन मानीटरिंग पोर्टल की समीक्षा की. पोर्टल पर फीड करे गये डाटा की पुलिसिंग में उपयोगिता व प्रयोग के विषय में विस्तृत रूप से चर्चा की. मीटिंग के दौरान तीन नए क्रिमिनल ला (बीएनएस, बीएनएसएस और बीएसए), नेशनल आटोमेटेड फिंगरप्रिंट आइडेनटीफिकेशन सिस्टम (एनएएफआइएस), क्रिमिनल प्रोसीजर आइडेनटीफिकेशन एक्ट (सीआरपीआइ) के विषय में भी विस्तृत जानकारी दी गई. समीक्षा बैठक में डीआइजी बरेली व मुरादाबाद रेंज, एसएसपी, एसपी सिटी समेत अन्य अधिकारी आनलाइन जुड़े.

कार्यक्रम में संबंधित विषय पर एक्सपर्ट ने दी जानकारी.

विधि विज्ञानशाला का किया निरीक्षण

एडीजी (तकनीकी सेवाएं) नवीन अरोरा एवं एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा ने विधि विज्ञान प्रयोगशाला का भ्रमण किया. प्रयोगशाला में प्रचलित निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को देखा. प्रयोगशाला के उपनिदेशक जय प्रकाश गुप्ता, अन्य वैज्ञानिक अधिकारी एवं राजकीय निर्माण विभाग के इकाई प्रभारी सिविल/इलेक्ट्रिक उपस्थित मिले जिन्हें जरूरी दिशा निर्देश दिए.

आसमां तक जनपद बरेली दिनॉक 23.05.2025

एडीजी तकनीकी सेवाएं व एडीजी जोन बरेली ने किया ऑनलाइन बैठक में अधिकारियों से संवाद

आसमां तक रिपोर्टर

बरेली। गुरुवार को अपर पुलिस महानिदेशक, तकनीकी सेवाएं, उत्तर प्रदेश श्री नवीन अरोरा तथा अपर पुलिस महानिदेशक, बरेली जोन श्री रमित शर्मा द्वारा हाइब्रिड मोड में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बरेली जोन के परिक्षेत्र, जनपद प्रभारियों एवं नोडल अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में एडीजी नवीन अरोरा द्वारा तकनीकी सेवाओं के अंतर्गत In-house विकसित पोर्टल जैसे क्राइम एनालिटिक्स पोर्टल, CCTNS, फील्ड यूनिट पोर्टल, ऑपरेशन त्रिनेत्र, फूट पेट्रोलिंग, ऑनलाइन ट्रेनिंग पोर्टल, पब्लिक ग्रीवेंस रिव्यू पोर्टल, परेड पोर्टल, इन्वेस्टिगेशन, प्रॉसिक्यूशन व कंविक्शन मॉनिटरिंग पोर्टल की समीक्षा की गई। इन पोर्टलों के पुलिसिंग में प्रभावी उपयोग और डाटा की उपयोगिता पर भी विस्तृत चर्चा की गई। इसके अलावा तीन नए आपराधिक कानूनों - BNS, BNSS ß BSA, NAFIS (नेशनल ऑटोमेटेड फिंगरप्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम) एवं CRPI (क्रिमिनल प्रोसीजर आइडेंटिफिकेशन एक्ट) के बारे में भी जानकारी दी गई और आवश्यक निर्देश जारी किए गए। मीटिंग में जोन कार्यालय से बरेली परिक्षेत्र के डीआईजी, एसएसपी, एसपी नगर, एसपी दक्षिणी व एएसपी अपराध शामिल हुए। मुरादाबाद परिक्षेत्र के अधिकारी व अन्य जनपदों के प्रभारी अधिकारी गूगल मीट के माध्यम से जुड़े। बाद में एडीजी अरोरा व एडीजी शर्मा ने विधि विज्ञान प्रयोगशाला बरेली का निरीक्षण किया। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांची गई और आवश्यक निर्देश दिए गए। उल्लेखनीय है कि तकनीकी सेवाएं मुख्यालय, उत्तर प्रदेश को FICCI द्वारा स्मार्ट पुलिसिंग अवार्ड 2025 व SKOCH संस्था द्वारा ''पुलिस और सुरक्षा'' श्रेणी में पुरस्कृत किया जा चुका है ।

स्पर्श भारत जनपद बरेली दिनॉक 23.05.2025

ADG रमित शर्मा और नवीन अरोरा का हाईटेक एक्शन प्लानःयूपी पुलिस बन रही है हाइटेक, क्राइम एनालिटिक पोर्टल, ऑपरेशन त्रिनेत्र और परेड पोर्टल सबकुछ टूल्स से

स्पर्श भारत

हाइब्रिड मोड में ADG टेक्निकल सर्विसेज यूपी नवीन अरोरा और ADG बरेली जोन रमित शर्मा ने बरेली जोन के पुलिस अफसरों के साथ एक अहम मीटिंग की। इस मीटिंग में कानून-व्यवस्था, तकनीकी टूल्स और नए आपराधिक कानूनों पर फोकस किया गया। कुछ अफसर फिजिकली मीटिंग में शामिल हुए, बाकी ने Google Meet से ऑनलाइन हिस्सा लिया। बरेली, मुरादाबाद और अन्य जिलों के DIG, SSP, SP, ASP और नोडल अधिकारी इसमें मौजूद रहे।क्राइम कंट्रोल और मॉनिटरिंग को लेकर बनाई गई पोर्टल्स की प्रेजेंटेशन दी गई। मीटिंग में सभी अधिकारियों को बताया गया कि कैसे तकनीकी बदलावों को फील्ड लेवल पर ज्यादा असरदार तरीके से लागू किया जाए। क्राइम एनालिटिक पोर्टल, ऑपरेशन त्रिनेत्र और परेड पोर्टल जैसे टूल्स पर हुई डिटेल चर्चा

ADG नवीन अरोरा ने इन-हाउस डेवलप किए गए कई अहम पोर्टल्स और सिस्टम्स की विस्तार से जानकारी दी। इनमें शामिल थे – अपराध से जुड़े डेटा को समझने वाला क्राइम एनालिटिक पोर्टल, FIR और केस की लाइव मॉनिटरिंग के लिए CCTNS और फील्ड यूनिट पोर्टल, संगठित अपराधों पर नजर रखने के लिए ऑपरेशन त्रिनेत्र, बीट स्तर पर पुलिस की एक्टिविटी पर नज़र रखने वाला फुट पेट्रोलिंग सिस्टम, पुलिसकर्मियों की ट्रेनिंग के लिए ऑनलाइन ट्रेनिंग पोर्टल, जनता की शिकायतों के फॉलोअप के लिए पब्लिक ग्रीवांस रिव्यू पोर्टल, पुलिस परेड की रिकॉर्डिंग और मॉनिटरिंग के लिए परेड पोर्टल, केस की जांच को ट्रैक करने वाला इन्वेस्टिगेशन मॉनिटरिंग पोर्टल और चार्जशीट से लेकर सजा तक की स्टेज को ट्रैक करने वाला प्रॉसिक्यूशन एंड कन्विक्शन मॉनिटरिंग सिस्टम। इन टूल्स का मकसद पुलिसिंग को स्मार्ट, रिजल्ट-ओरिएंटेड और जवाबदेह बनाना है।तीन नए क्रिमिनल लॉ और फिंगरप्रिंट सिस्टम पर दी गई जानकारी मीटिंग में तीन नए कानूनों – BNS (भारतीय न्याय संहिता), BNSS (भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता) और BSA (भारतीय साक्ष्य अधिनियम) के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके अलावा NAFIS (नेशनल ऑटोमेटेड फिंगरप्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम) और CRPI (क्रिमिनल प्रोसीजर आइडेंटिफिकेशन एक्ट) के पुलिसिंग में इस्तेमाल को लेकर भी दिशा-निर्देश दिए गए। इन बदलावों से पुलिस की जांच और पहचान प्रणाली और मजबूत होगी।फॉरेंसिक लैब का निरीक्षण, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर फोकस मीटिंग के बाद ADG नवीन अरोरा और ADG रमित शर्मा ने बरेली स्थित विधि विज्ञान प्रयोगशाला (फॉरेंसिक लैब) का निरीक्षण किया। उन्होंने चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को चेक किया और संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। इस दौरान उपनिदेशक जय प्रकाश गुप्ता, वैज्ञानिक अधिकारी और PWD इंजीनियर भी मौजूद रहे।

त्रिनेत्र 2.0 और पुलिस टेक्नोलॉजी को मिला नेशनल लेवल पर सम्मान

टेक्निकल सर्विसेज की यह कोशिशें अब राज्य स्तर से निकलकर राष्ट्रीय पहचान बना रही हैं। FICCI, नई दिल्ली ने त्रिनेत्र 2.0 प्रोजेक्ट को स्मार्ट पुलिसिंग अवॉर्ड 2025 से नवाजा है। यह पोर्टल क्राइम इन्वेस्टिगेशन और प्रॉसिक्यूशन को मॉनिटर करता है। इसके अलावा SKOCH अवॉर्ड 2025 भी पुलिस और सिक्योरिटी कैटेगरी में मिल चुका है। ये अवॉर्ड इस बात का सबूत हैं कि उत्तर प्रदेश पुलिस, खासतौर पर बरेली जोन की टेक्नोलॉजी-फ्रेंडली पहल अब पूरे देश में मॉडल बन रही है।

टेलीग्राम संवाद जनपद बरेली दिनॉक 23.05.2025

प्रेरणा अपराध विश्लेषण, विवेचना, न्यायिक कार्यवाही और डिजिटल निगरानी तंत्र पर चर्चा

डिजिटल पोर्टल्स: एडीजी बरेली ने समीक्षा कर दी तकनीकी धार

टेलीग्राम संवाद

बरेली। उत्तर प्रदेश पुलिस तकनीकी सेवाएं अब परंपरागत कार्यप्रणाली से निकलकर एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुकी है, जहाँ अपराध पर नियंत्रण, अभियुक्तों की पहचान और न्याय सुनिश्चित करने की प्रक्रिया को तकनीक माध्यम से तीव्र, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा रहा है। इसी सिलसिले में गुरुवार सुबह अपर पुलिस महानिदेशक (तकनीकी सेवाएं) नवीन अरोरा और बरेली जोन अपर पुलिस महानिदेशक रमित शर्मा अगुवाई में एक हाइब्रिड समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिसमें बरेली व मुरादाबाद परिक्षेत्र से वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में ADG नवीन अरोरा द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस के In-House विकसित अत्याधुनिक डिजिटल पोर्टल्स की गहन समीक्षा की गई, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

Crime Analytics Portal: अपराध की प्रवृत्ति और भौगोलिक विश्लेषण हेतु विकसित टूल

CCTNS (Crime and Criminal Tracking Network System): अपराधियों का केंद्रीकृत डेटा बैंक

Operation Trinetra: संवेदनशील स्थानों की निगरानी हेतु मल्टी-लेयर सर्विलांस प्रणाली

Foot Patrolling Monitoring System: बीट कांस्टेबल की निगरानी और सक्रियता का आंकलन

Online Training Portal: पुलिस कर्मियों के निरंतर कौशल विकास के लिए ई-लर्निंग मंच

Public Grievance Review System: जनता की शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण का पोर्टल

Prosecution & Conviction Monitoring: न्यायिक प्रक्रिया में तेजी और दोषियों की सजा सुनिश्चित करने की प्रणाली

Parade Portal & Field Unit Management System: अनुशासन और क्रियाशीलता को मापने वाले डिजिटल टूल्स

नए आपराधिक कानूनों पर प्रशिक्षण

बैठक में भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS), भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA) प्रावधानों की भी विस्तार से जानकारी दी गई। इनका उद्देश्य है अपराध प्रक्रिया को अधिक वैज्ञानिक, अधिकार-सम्मत और अभियुक्त-केंद्रित बनाने के बजाय पीड़ित-केंद्रित न्याय व्यवस्था को लागू करना।

NAFIS (National Automated Fingerprint Identification System) CRPI (Criminal Procedure Identification Act)

उपयोगिता और कार्यप्रणाली की भी समीक्षा हुई। यह बताया गया कि कैसे अब अभियुक्तों की बायोमेट्रिक पहचान, डिजिटल फिंगरप्रिंट मिलान और रीयल-टाइम डेटा एक्सेस के माध्यम से विवेचना को वैज्ञानिक रूप दिया जा रहा है।

बैठक उपरांत दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने बरेली स्थित विधि विज्ञान प्रयोगशाला (Forensic Science Lab) का भी औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण दौरान निर्माण कार्य की गुणवत्ता, उपकरणों की स्थिति और वैज्ञानिक स्टाफ की कार्यप्रणाली का मूल्यांकन किया गया। ADG अरोरा ने फॉरेंसिक प्रमाणों की संवेदनशीलता को रेखांकित करते हुए शून्य त्रुटि नीतिर अपनाने का निर्देश दिया।

तकनीकी सेवाओं को मिला राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान:

यह उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश पुलिस की तकनीकी सेवाओं को हाल ही में FICCI द्वारा "Smart Policing Award 2025" से सम्मानित किया गया है। इसके अतिरिक्त SKOCH संस्था ने भी "Police & Security" श्रेणी में प्रशंसा पत्र प्रदान किया है। यह सम्मान दर्शाते हैं कि उत्तर प्रदेश पुलिस अब सिर्फ सशस्त्र बल नहीं, बल्कि तकनीकी दक्षता से लैस एक इंटेलिजेंट फोर्स के रूप में कार्य कर रही है। उत्तर प्रदेश पुलिस की यह तकनीकी पहल निश्चित रूप से एक नई क्रांति की ओर संकेत करती है, जहाँ डिजिटल ट्रैकिंग, डेटा एनालिटिक्स, और रीयल टाइम मॉनिटरिंग के जरिए अपराध नियंत्रण की दिशा में एक मजबूत आधारशिला रखी जा रही है। एडीजी अरोरा और रमित शर्मा द्वारा की गई यह समीक्षा भविष्य में अपराध नियंत्रण मॉडल का हिस्सा बन सकती है।

युवा हस्ताक्षर जनपद बरेली दिनॉक 23.05.2025

एडीजी तकनीकी सेवाएं व एडीजी जोन बरेली ने किया ऑनलाइन बैठक में अधिकारियों से संवाद

युवा हस्ताक्षर रिपोर्टर

बरेली। गुरुवार को अपर पुलिस महानिदेशक, तकनीकी सेवाएं, उत्तर प्रदेश श्री नवीन अरोरा तथा अपर पुलिस महानिदेशक, बरेली जोन श्री रमित शर्मा द्वारा हाइब्रिड मोड में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बरेली जोन के परिक्षेत्र, जनपद प्रभारियों एवं नोडल अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में एडीजी नवीन अरोरा द्वारा तकनीकी सेवाओं के अंतर्गत In-house विकसित पोर्टल जैसे क्राइम एनालिटिक्स पोर्टल, CCTNS, फील्ड यूनिट पोर्टल, ऑपरेशन त्रिनेत्र, फूट पेट्रोलिंग, ऑनलाइन ट्रेनिंग पोर्टल, पब्लिक ग्रीवेंस रिव्यू पोर्टल, परेड पोर्टल, इन्वेस्टिगेशन, प्रॉसिक्यूशन व कंविक्शन मॉनिटरिंग पोर्टल की समीक्षा की गई। इन पोर्टलों के पुलिसिंग में प्रभावी उपयोग और डाटा की उपयोगिता पर भी विस्तृत चर्चा की गई। इसके अलावा तीन नए आपराधिक कानूनों - BNS, BNSS ß BSA, NAFIS (नेशनल ऑटोमेटेड फिंगरप्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम) एवं CRPI (क्रिमिनल प्रोसीजर आइडेंटिफिकेशन एक्ट) के बारे में भी जानकारी दी गई और आवश्यक निर्देश जारी किए गए। मीटिंग में जोन कार्यालय से बरेली परिक्षेत्र के डीआईजी, एसएसपी, एसपी नगर, एसपी दक्षिणी व एएसपी अपराध शामिल हुए। मुरादाबाद परिक्षेत्र के अधिकारी व अन्य जनपदों के प्रभारी अधिकारी गूगल मीट के माध्यम से जुड़े। बाद में एडीजी अरोरा व एडीजी शर्मा ने विधि विज्ञान प्रयोगशाला बरेली का निरीक्षण किया। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांची गई और आवश्यक निर्देश दिए गए। उल्लेखनीय है कि तकनीकी सेवाएं मुख्यालय, उत्तर प्रदेश को FICCI द्वारा स्मार्ट पुलिसिंग अवार्ड 2025 व SKOCH संस्था द्वारा ''पुलिस और सुरक्षा'' श्रेणी में पुरस्कृत किया जा चुका है ।

दैनिक जागरण जनपद मुरादाबाद दिनॉक 23.05.2025

पुलिसिंग में पोर्टल के डाटा की उपयोगिता बताई

- एडीजी तकनीकी सेवाएं व जोन ने की आनलाइन बैठक
- बरेली जोन के पुलिस अफसरों को दिए गए जरूरी टिप्स

जासं, बरेली : अपर पुलिस महानिदेशक (तकनीकी सेवाएं) नवीन अरोरा और अपर पुलिस महानिदेशक, बरेली जोन रमित शर्मा ने गुरुवार को हाईब्रिड मोड में जोन के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने विभाग द्वारा विकसित किए गए क्राइम एनालिटिक्स पोर्टल, सीसीटीएनएस एंड फील्ड यूनिट पोर्टल, आपरेशन त्रिनेत्र, फूट पेट्रोलिंग, आनलाइन ट्रेनिंग पोर्टल, पब्लिक ग्रेवांस रिव्यू पोर्टल, परेड पोर्टल, इंवेस्टीगेशन और प्रोसीक्यूशन एंड कनविक्शन मानीटरिंग पोर्टल की समीक्षा की। पोर्टल पर फीड करे गये डाटा की पुलिसिंग में उपयोगिता व प्रयोग के विषय में विस्तृत रूप से चर्चा की। मीटिंग के दौरान तीन नए क्रिमिनल ला (बीएनएस, बीएनएसएस और बीएसए), नेशनल आटोमेटेड फिंगरप्रिंट आइडेनटीफिकेशन सिस्टम (एनएएफआइएस), क्रिमिनल प्रोसीजर आइडेनटीफिकेशन एक्ट (सीआरपीआइ) के विषय में भी विस्तृत जानकारी दी गई। समीक्षा बैठक में डीआइजी बरेली व मुरादाबाद रेंज, एसएसपी, एसपी सिटी समेत अन्य अधिकारी आनलाइन जुड़े।

विधि विज्ञानशाला का किया निरीक्षण : एडीजी (तकनीकी सेवाएं) नवीन अरोरा एवं एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा ने विधि विज्ञान प्रयोगशाला का भ्रमण किया। प्रयोगशाला में प्रचलित निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को देखा। प्रयोगशाला के उपनिदेशक जय प्रकाश गुप्ता, अन्य वैज्ञानिक अधिकारी एवं राजकीय निर्माण विभाग के इकाई प्रभारी सिविल/इलेक्ट्रिक उपस्थित मिले जिन्हें जरूरी दिशा निर्देश दिए।

जोन के पुलिस अधिकारियों के साथ हाईब्रिड बैठक करते एडीजी (तकनीकी सेवाएं) नवीन अरोरा एवं एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा ● सौ. पुलिस

बरेली में विधि विज्ञान प्रयोगशाला का भ्रमण करने के दौरान एडीजी (तकनीकी सेवाएं) नवीन अरोरा, साथ मौजूद एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा ● सौ. पुलिस

कस्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में बरेली जोन में तकनीकी समीक्षा बैठक संपन्न

एडीजी नवीन अरोरा और रमित शर्मा ने किया इन-हाउस पोर्टलों का मूल्यांकन, त्रिनेत्र 2.0 को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

यौमी समाचार ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस की तकनीकी सेवाओं को अधिक दक्ष और स्मार्ट बनाने की दिशा में बरेली जोन में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। अपर पुलिस महानिदेशक (तकनीकी सेवाएं) नवीन अरोरा एवं अपर पुलिस महानिदेशक (बरेली जोन) रमित शर्मा ने बृहस्पतिवार को हाइब्रिड मोड में बरेली जोन के परिक्षेत्रीय और जनपदीय प्रभारियों तथा नोडल अधिकारियों के साथ तकनीकी पोर्टलों की समीक्षा की।

इस दौरान पुलिसिंग में उपयोगी पोर्टलों जैसे क्राइम एनालिटिक्स पोर्टल, सीसीटीएनएस और फील्ड यूनिट पोर्टल, ऑपरेशन त्रिनेत्र, फुट पेट्रोलिंग, ऑनलाइन ट्रेनिंग पोर्टल, पब्लिक ग्रीवेंस रिव्यू पोर्टल, परेड पोर्टल, इन्वेस्टिगेशन एंड प्रॉसीक्यूशन मॉनिटरिंग पोर्टल आदि की कार्यप्रणाली, प्रभावशीलता और उपयोगिता पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में तीन नए आपराधिक कानूनों – भारतीय न्याय संहिता , भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम – की जानकारी भी दी गई। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय स्वचालित अंगुलि छाप पहचान प्रणाली और अपराध प्रक्रिया पहचान अधिनियम पर भी चर्चा की गई और पुलिसिंग संदर्भ में आवश्यक दिशा-निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

बैठक में बरेली परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक नगर, पुलिस अधीक्षक दक्षिणी एवं अपर पुलिस अधीक्षक (अपराध), जनपद बरेली ने भौतिक रूप से प्रतिभाग किया। वहीं, मुरादाबाद परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक तथा तकनीकी सेवाएं मुख्यालय, बरेली जोन के अन्य जनपद प्रभारियों और नोडल अधिकारियों ने ऑनलाइन माध्यम (गूगल मीट) से भाग लिया।

बैठक के बाद एडीजी नवीन अरोरा और एडीजी रमित शर्मा ने विधि विज्ञान प्रयोगशाला, बरेली का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रयोगशाला में चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का अवलोकन किया गया और आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। निरीक्षण के समय उपनिदेशक जय प्रकाश गुप्ता, अन्य वैज्ञानिक अधिकारी तथा राजकीय निर्माण विभाग के सिविल और इलेक्ट्रिक इकाई प्रभारी भी उपस्थित रहे।